साहित्य का इतिहास दर्शन: संरचना एवं सिद्धान्त

डॉ. शालिनी मूलचन्दानी

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

॥ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ॥

विषय–सूची

अध्याय संख्या	अध्याय	पृ.सं.
प्रथम	**साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप**	1–64
	1. इतिहास क्या है? इतिहास का अर्थ और परिभाषा, इतिहास : सामान्य प्रवृत्तियाँ, इतिहास–दर्शन से अभिप्राय, साहित्येतिहास: अर्थ और परिभाषा	
	2. साहित्येतिहास : लेखन प्रक्रिया एवं प्रविधि– सामग्री संकलन, सामग्री की जाँच, मूल्याँकन, विभाजन, सामग्री की अभिव्यक्ति, प्रस्तुतीकरण की समस्याएं।	
	3. तथ्य की परिभाषा, इतिहास और तथ्य, ऐतिहासिक तथ्य, साहित्येतिहास: तथ्य निर्धारण, साहित्येतिहास लेखन में तथ्यों के प्रकार, तथ्यों का चुनाव और प्रस्तुति।	
	4. इतिहास का क्षेत्र।	
द्वितीय	**साहित्येतिहास : विकास एवं समस्याएँ**	65–111
	1. साहित्येतिहास : युग और धारा	
	2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएं– हिन्दी साहित्य के इतिहास का प्रारम्भ, हिन्दी साहित्य की व्याप्ति और सीमा, हिन्दी की दिक् और कालगत व्याप्ति।	
	3. काल विभाजन के विविध आधार, हिन्दी साहित्य का परम्परागत काल विभाजन, काल विभाजन का नया प्रयास।	
	4. नामकरण।	
	5. हिन्दी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्या।	

6. हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास– हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा।

तृतीय इतिहास लेखन की अवधारणा 112–147

1. मध्ययुगीन साहित्य की अवधारणा–
   अ. भक्ति मूलक काव्य धारा
   ब. रीति मूलक काव्य धारा
2. पुनर्जागरण की अवधारणा–पुनर्जागरण से अभिप्राय, भारतीय संदर्भ में पुनर्जागरण, पुनर्जागरण के लक्षण–बौद्धिकवाद, मानवतावाद, भौतिकवाद, उदारता, पुनर्जागरण के कारण–धर्मयुद्ध, विविध आविष्कार, हिन्दी साहित्य में नवजागरण, भारतीय पुनर्जागरण की सामान्य विशेषताएं, हिन्दी पुनर्जागरणः वैशिष्ट्य
3. आधुनिकता की अवधारणा– आधुनिक शब्द का अर्थ और स्वरूप, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।

चतुर्थ साहित्येतिहास लेखन के मूल्य एवं सिद्धांत 148–171

1. आधुनिक युग में साहित्येतिहास का मूल्य– अनुशासनात्मक मूल्य, सूचनात्मक मूल्य, सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्य, नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव मूल्य
2. साहित्येतिहास लेखन शास्त्र तथा साहित्येतिहास के सिद्धान्त

1. चाक्रिक, रेखिक, ऐतिहासिक भौतिकवाद, विधेयवाद, सापेक्ष्यवाद, परिकल्पनावाद, साहित्य का विकासवादी सिद्धान्त, मानसिक प्रक्रिया का सिद्धान्त।
2. साहित्येतिहास के विभिन्न सिद्धान्तों की प्रासंगिकता।
3. साहित्येतिहास लेखन में इतिहास विषयक सिद्धान्तों का महत्त्व।

पंचम इतिहास : अनुसंधान : आलोचना 172–186

1. इतिहास और अनुसंधान
2. इतिहास और आलोचना।

षष्ठम् भारतीय और पाश्चात्य इतिहास लेखन : अवधारणा और परम्परा 187–223

1. भारतीय इतिहास लेखनः अवधारणा और परम्परा–कर्म सिद्धान्त, भारतीय इतिहास का युगचक्रवादी चिंतन, प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन–धार्मिक तथा पुराण कथाओं के रूप में, शासन वंशीय प्रलेख, जीवन चरित एवं इतिवृत्त के रूप में इतिहास, बौद्ध इतिहास लेखन, जैन इतिहास लेखन, हर्षचरित : मध्यकालीन जीवन चरित्र, वाक्पतिराज तथा पद्मगुप्त का ऐतिहासिक काव्य, चालुक्य तथा राष्ट्रकूट इतिहास लेखन, पाल इतिहास लेखन, कल्हणः कश्मीर में इतिहास लेखन, सिन्धु और गुर्जर में इतिहास लेखन, चाहमान इतिहास लेखन तथा राजपूत परम्पराओं का विकास, जैजाकभुक्ति का इतिहास लेखन, तीर भुक्ति में इतिहास लेखन।
2. इतिहास : विविध धार्मिक अवधारणाओं के परिप्रेक्ष्य में–ईसाई, इस्लामी, यहूदी, पारसी, यूनानी रोमन इतिहास की दार्शनिक अवधारणा।

   पाश्चात्य इतिहास–लेखन की परम्परा– पश्चिम के देशों के अध्ययन विषय के रूप में, इतिहास का क्षेत्र–यूनानी काल, यहूदी, ईसाई परम्परा, सन्त ऑगस्टिन, 17वीं शताब्दी की समयावधि, 18वीं शताब्दी वोल्तेयर और बौद्धिक काल, विको तथा हर्डर, 19वीं शताब्दी, स्वच्छंदतावाद, फ्राँसीसी क्रान्ति की प्रतिक्रिया, लियोपाल्ड फान रांके, हीगेल, 19वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध– इतिहास और सामाजिक विज्ञानः कार्ल मार्क्स,विल्हेल्म डिल्थे, मैक्स वेबर, बीसवीं शताब्दी, लुई नेमियर, बेनेदिन्तों क्रोचे, कालिंगवुड, ओसवाल्ड स्पेंग्लर, आरनॉल्ड टॉयन्बी, आदर्शवादी इतिहास परम्परा।

सप्तम् हिन्दी साहित्येतिहास लेखन में इतिहास दृष्टि 224–288

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. डॉ. रामकुमार वर्मा
4. डॉ. रामविलास शर्मा
5. डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
6. डॉ. बच्चन सिंह
7. डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

ग्रंथ सूची
1. आधार ग्रंथ सूची 289
2. संदर्भ ग्रंथ सूची 290–293
3. अंग्रेजी संदर्भ ग्रंथ सूची 294

❑❑❑